भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1435

19 दिसंबर, 2022 को उत्तर के लिए

सेल का क्षमता विस्तार

1435. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार के विजन 2030 के तहत स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की सभी इकाइयों की विस्तारित क्षमता कितनी होगी;

(ख) सेल की प्रत्येक इकाई में स्थापित की जाने वाली परियोजना और उन पर खर्च की जाने वाली राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सेल में सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और उचित गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क): वर्ष 2030-31 तक, सेल की क्रूड इस्पात की प्रचालन क्षमता मौजूदा 20.63 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर अनंतिम रूप से लगभग 33 एमटीपीए करने की परिकल्पना की गई है। वर्ष 2030-31 में विस्तार कार्य के पूर्ण होने पर, सेल की परिकल्पित संयंत्र-वार क्रूड़ इस्पात क्षमता निम्नानुसार है:-

इस्पात संयंत्र	परिकल्पित क्रूड़ इस्पात क्षमता (एमटीपीए)
भिलाई इस्पात संयंत्र*	6.80
दुर्गापुर, इस्पात संयंत्र	4.00
राऊरकेला इस्पात संयंत्र	8.70
बोकारो इस्पात संयंत्र	6.90
इस्को इस्पात संयंत्र	6.10
अलॉय इस्पात संयंत्र*	0.23
सेलम इस्पात संयंत्र*	0.18
सेल	**32.91**

*वर्तमान में बीएसपी, एएसपी ओर एसएसपी में विस्तार की परिकल्पना नहीं की गयी है।

(ख): प्रत्येक संयंत्र में स्थापित की जाने वाली परियोजनाओं और संभावित निवेश का विवरण पूर्व-व्यवर्हायता अध्ययन रिपोर्ट (पीएफआर) और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करने के बाद तैयार किया जाएगा। अनुमानित निवेश लगभग एक लाख करोड़ रूपये है।

(ग): सेल में सभी परियोजनाओं का समय पर समापन एवं गुणवत्ता नियत्रंण सुनिश्चित करने हेतु, इस्पात मंत्रालय विभिन्न स्तरों पर समय-समय पर समीक्षा बैठकें करता है, और परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के लिए उचित निदेश देता है।

****